प्रकाशक की ओर से

पूरे अमेरिका में इस साल नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन, नासा, की अर्धशती के उपलक्ष में चन्द्रमा पर पहले यान के उतरने, पृथ्वी की कक्षा की पहली परिक्रमा, अन्य खगोलीय पिंडों से प्रसारित पहले फोटो और आंकड़ों की प्रदर्शनियां आयोजित हो रही हैं- ये सभी आश्चर्यचकित कर देने वाले मानवीय और तकनीकी चमत्कार हैं जिन्होंने संसारभर में लोगों को प्रेरित किया है।

निरन्तर नए क्षितिजों की खोज में लगे नासा ने मंगल पर अंतरिक्ष यान फ़ीनिक्स उतारा और अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर वापस भेजने की तैयारी कर रहा है। अमेरिकी हमारे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों, जिनमें भारत भी शामिल है, के साथ अंतरिक्ष में नई खोज की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कुछ लोगों को ज़रूर याद होगा कि हमने अंतरिक्ष युग में साथ-साथ प्रवेश किया था। इस साल नवंबर में वायुमंडलीय सूचना संग्रह करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यान के थुम्बा, केरल से प्रक्षेपण की 45वीं वर्षगांठ है और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से अमेरिका का जुड़ने की भी। भारत का पहला अंतरिक्षयान एक अमेरिकी नाइकी-अपाची था।

अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सम्बन्धों में नवीनतम कड़ी है चन्द्रयान-1 का आगामी प्रक्षेपण। इस पर आंकड़ों के संग्रह और चन्द्रमा के संसाधनों के मानचित्रण के लिए नासा के दो पेलोड भी होंगे। जैसा कि इस बार की आवरण कथा ''मिलकर नए क्षितिजों की तलाश'' में दीपांजली काकाती लिखती हैं, भारत और अमेरिका के बीच चंद्रमा के अन्वेषण से जुड़ी महत्वपूर्ण लक्ष्य और रुचियां साझी हैं। चन्द्रयान-1 अभियान ने हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को एक ऐसी परियोजना पर साथ-साथ काम करने का अवसर दिया है जो हम दोनों देशों और हमारे वैश्विक पड़ोसियों को लाभ पहुंचाएगी।

स्पैन के इस अंक में हम अपने पाठकों की सेवा में नासा के अंतरिक्ष यात्रियों और उपकरणों द्वारा लिए गए चित्रों का अद्भुत संग्रह प्रस्तुत कर रहे हैं। हमें आशा है कि मंगल पर जीवन की खोज, चंद्रमा पर जीवित रहने, चन्द्रमा के स्वामित्व, नासा के अगले अंतरिक्ष यान और यूएफओ जांचकर्ताओं के कार्य के बारे में प्रस्तुत लेख आपको पसन्द आएंगे।

धरती पर उतरते हुए, मीडिया और सम्प्रेषण के क्षेत्र में हो रहे तीव्र विकास के हमारे जीवन पर होने वाले प्रभावों की झलक दिखाते हुए टॉमस बी.एडसॉल अमेरिकी राजनीति में आ रहे बदलावों के बारे में बता रहे हैं तो चैड लॉरेंज ''ई-मेल को अलविदा'' के बाद के परिदृश्य के बारे में, और चार्ल्स सी.मैन आगाह कर रहे हैं कि क्लिक फ्रॉड इंटरनेट को निगल सकता है।

गर्मी के मौसम में ताज़गी का अहसास कराने के लिए स्पैन के इस अंक में हाजिर है ओलिम्पिक तैराक जेनेट इवान्स से वेब बातचीत ''सिर्फ जीत के लिए नहीं है यह सब कुछ''!

गर्मी के ये दिन हर चार वर्ष में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मी से भरे हैं और अमेरिकी लोग हमारे देश और संसार की स्थिति पर विचार कर रहे हैं। प्राइमरी चुनावों और नामांकन कॉकसों के लम्बे दौर के बाद हमारे प्रमुख राजनीतिक दलों में नया नेतृत्व उभरा है। इन गर्मियों में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टियों के राष्ट्रीय अधिवेशनों में सेनेटर बाराक ओबामा और सेनेटर जॉन मैक्केन राष्ट्रपति पद के लिए आधिकारिक रूप से अपने-अपने दलों के प्रत्याशी घोषित कर दिए जाएंगे। हम इन प्रत्याशियों और नई अमेरिकी कांग्रेस के लिए चुनाव के बारे में कुछ सामग्री प्रस्तुत कर रहे हैं।

4 जुलाई को अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमेरिका और भारत ने शैक्षणिक आदान-प्रदान के द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करके 1950 से चल रहे फ़ुलब्राइट कार्यक्रम को विस्तार दिया है। नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में विदेश सचिव शिव शंकर मेनन और राजदूत डेविड सी. मल्फ़र्ड ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे भारत इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में संपूर्ण साझेदार बन गया- अब नए नाम से जाने जाने वाली फ़ुलब्राइट-नेहरू अध्ययन वृत्तियों से हर साल लाभान्वित होने वाले भारतीयों और अमेरिकियों की संख्या दो गुनी हो जाएगी। शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का बढ़ना हम दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।